खूनी नीलम, नीला नीलम व पीला नीलम (पीताम्बरी)– Blood Sapphire, Blue Sapphire & Yellow Sapphire

राशि चक्र में शनि सबसे शक्तिशाली ग्रहों में से एक है। मानव की बात तो दूर, भगवान शिव भी शनि ग्रह के प्रकोप से राहत नहीं पा सके। सम्राट विक्रमादित्य भी साढ़े साती के दौरान शनि से पीड़ित हो गए थे।

शनि ग्रह न्यायाधीश है जो हमें हमारे बुरे कर्मों की सजा देता है। जब शनि अशुभ होता है तो स्वास्थ्य, धन, सम्मान आदि में हानि हो सकती है।

शनि ग्रह की सामान्य विशेषताएं

जैसा कि हम जानते हैं कि अलग-अलग ग्रह की अलग-अलग विशेषताएं हैं। शनि ग्रह कोई अपवाद नहीं है। शनि ग्रह, शुभ और अशुभ दोनों फल प्रदान कर सकता है।

जब शनि ग्रह लाभदायक होता है, तो जातक अनुशासित, परिश्रमी, ईर्ष्यालु, ज्ञानी और गम्भीर होता है। प्रबल शनि व्यक्ति को नैतिक और मानसिक रूप से मजबूत बना सकता है। यह दूरदर्शी भी बनाता है। शनि ग्रह धन और भौतिक सफलता भी लाता है।

जब यह जन्म कुण्डली में अशुभ होता है, तो यह जातक आलसी, धोखा देने वाला, कंजूसी करने वाला, उदासीन और उदास हो जाता है। परिवार के सदस्यों की अकाल मृत्यु, वैवाहिक कलह, मुकदमे, झगड़े, राजकीय व्यक्तियों से दुश्मनी, स्वास्थ्य का बिगड़ना, आर्थिक हानि, कर्ज और पुरानी बीमारियां जीवन का हिस्सा बन जाती हैं।

शनि के हानिकारक होने पर क्या करें?

शनि की अवधि के दौरान, लोग राहत पाने के लिए बेचैन हो जाते हैं। लोग ज्योतिषी से सलाह लेना शुरू कर देते हैं।

संक्षेप में, मंगल, राहु, केतु, और शनि द्वारा पीड़ित होने पर, शनि अशुभ परिणाम लाता है। सूर्य द्वारा प्रभावित होने पर यह नुकसान करता है।

शनि से राहत पाने और सकारात्मक प्रभाव को बढ़ाने के लिए किसे नीलम पहनना चाहिए?

blue sapphire या नीलम लोगों के बीच अत्यधिक लोकप्रिय है। अधिकांश लोग इसे प्रासंगिक तरीके से पहनने के बारे में नहीं जानते हैं।

यह सबसे शक्तिशाली रत्नों में से एक है जो लोगों द्वारा जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में उपयोग किया जा रहा है।

यह बेहद फायदेमंद हो सकता है अगर आप स्वास्थ्य, धन, सामाजिक प्रतिष्ठा, गौरव और अभूतपूर्व व्यावसायिक सफलता को बढ़ावा देने के लिए उत्सुक हैं।

आमतौर पर, नीलम को अभिजात्य लोगों द्वारा पहना जाता है क्योंकि यह बहुत महंगा है। कई हस्तियां हैं जो विभिन्न प्रकार के रत्न का उपयोग करती हैं। बॉलीवुड स्टार अमिताभ बच्चन, ऐश्वर्या राय बच्चन और स्टील मैग्नेट लक्ष्मी मित्तल इसका इस्तेमाल करते हैं।

नीलम सभी ब्लू सफायर के लिए लोकप्रिय शब्द है। नीलम शनि के लिए एक उपचारात्मक रत्न है। सभी उपचारात्मक रत्नों में नीलम को सबसे शक्तिशाली रत्न माना जाता है। यदि यह किसी व्यक्ति को अच्छी तरह से सूट करता है तो यह उसके करियर, धन और प्रसिद्धि को महान ऊंचाइयों पर ले जा सकता है।

लेकिन, अगर यह उपयुक्त नहीं है तो यह समान रूप से शक्तिशाली हानिकारक परिणाम भी दे सकता है। ये परिणाम स्वास्थ्य के नुकसान, धन की हानि, मुकदमों, कारावास या यहां तक कि मृत्यु के खतरे के भी होते हैं।

नीली इसका उपरत्न है। आइये जानते हैं कि **किसे नीली** या **नीलम** धारण करना **चाहिए?**

मेष लग्न - नहीं
वृषभ लग्न - हाँ
मिथुन लग्न - हाँ
कर्क लग्न - नहीं
सिंह लग्न - नहीं
कन्या लग्न - नहीं
तुला लग्न - हाँ
वृश्चिक लग्न - नहीं
धनु लग्न - नहीं
मकर लग्न - हाँ

कुम्भ लग्न - हाँ
मीन लग्न - नहीं

मेष लग्न के लिए नीलम

यदि आप मेष लग्न के हैं, तो शनि ग्रह 10 वें और 11 वें घर का स्वामी है। इसलिए, शनि ग्रह **कारक** ग्रह नहीं है। मेष लग्न में जन्म लेने वाले व्यक्ति के लिए नीली **या** नीलम पहनना अनुशंसित नहीं है क्योंकि यह नकारात्मक परिणाम लाएगा।

वृषभ लग्न वालों के लिए नीलम

वृषभ लग्न में जन्म लेने वाले जातक को सभी परिस्थितियों में ब्लू नीलम का उपयोग करने की अत्यधिक सलाह दी जाती है। शनि ग्रह 9 वें और 10 वें का स्वामी है जो कि जातक के लिए सबसे अधिक **कारक** ग्रह है। इसलिए वृषभ लग्न में जन्म लेने वाले जातक के लिए नीले रंग का नीलम पहनना अत्यंत लाभकारी हो सकता है।

यह सबसे शक्तिशाली रत्न पेशे, कैरियर और व्यवसाय आदि में सफलता ला सकता है। यह उन लोगों के लिए भी फायदेमंद हो सकता है जो अपने करियर में बाधाओं का सामना कर रहे हैं। यह शनि **दशा** के दौरान अत्यधिक प्रभावी परिणाम ला सकता है। यह प्रभावशाली लोगों के साथ संपर्क बनाए रखने और प्रकृति का समर्थन लाने में मदद करेगा।
यदि शनि मंगल, राहु, **या** केतु से पीड़ित है और सूर्य द्वारा संयुक्त है, तो इसे पहनना नकारात्मकता को बेअसर करने के लिए **महत्वपूर्ण** हो सकता है।

मिथुन लग्न के लिए नीलम

जब **जातक** मिथुन राशि के लग्न के साथ पैदा होता है, तो नीलम शनि ग्रह के लाभकारी परिणाम में सुधार करने के लिए निर्धारित होता है। शनि क्रमशः 8 वें और 9 वें घर का स्वामी है। चूंकि शनि ग्रह मिथुन लग्न के लिए 9 वें घर **का स्वामी होता** है, इसलिए इसे **कारक** ग्रह माना जाता है।

इस प्रकार, इस नीले **रत्न** को पहनना मिथुन लग्न में जन्म लेने वाले जातक के लिए अत्यधिक प्रभावी हो सकता है। यह सौभाग्य, धन, भौतिक सुख, पिता के साथ संबंध, आध्यात्मिक

प्राप्ति और प्रकृति का एक मजबूत समर्थन ला सकता है। यह विशेष रूप से अधिक प्रभावी है यदि आप शनि की महादशा और अंतरदशा से गुजर रहे हैं।

यह अधिक लाभकारी परिणाम ला सकता है यदि लग्न के स्वामी बुध के रत्न पन्ना को भी पहना जाता है।

कर्क लग्न के लिए नीलम

अगर आप कर्क लग्न के जातक हैं, तो ब्लू नीलम पहनना हानिकारक हो सकता है। इसलिए, किसी भी परिस्थिति में, आपको इस रत्न का उपयोग नहीं करना चाहिए। शनि 7 वें और 8 वें घर का स्वामी है, यह कर्क राशि के लिए अकारक ग्रह माना जाता है।
कर्क जातक द्वारा नीलम विशेष परिस्थिति में एस्ट्रोलोजर की सलाह से ही पहना जा सकता है। तब इसके प्रयोग से जीवन की लंबी अवधि, वैवाहिक जीवन, लंबी यात्रा और साझेदारी के व्यवसाय में सफलता मिल सकती है।

सिंह लग्न के लिए नीलम

जब जातक सिंह लग्न का होता है, तो नीला नीलम को दृढ़ता से नकार दिया जाता है क्योंकि यह नुकसान पहुंचा सकता है। इसमें शनि ग्रह 6 वें और 7 वें घर का स्वामी होता है जो सिंह राशि के लिए मारक है। इसीलिए किसी ज्योतिषी की सलाह के बिना इस रत्न को पहनने से बचना जरूरी है।

कन्या लग्न के लिए नीलम

कन्या लग्न के जातक जन्म के साथ ब्लू नीलम का उपयोग एस्ट्रोलाजर की सलाह लेकर कर सकते हैं। शनि ग्रह 5 वें और 6 वें घर का स्वामी है। इसकी मूल त्रिकोण राशि छठे भाव में होती है। अतः यह अकारक ग्रह माना जाता है।

एस्ट्रोलाजर की सलाह से नीलम के उपयोग से याददाश्त, और बुद्धि बेहतर हो सकती है।

यह उन छात्रों के लिए विशेष रूप से सहायक है जो अच्छी तरह से पढ़ाई नहीं कर पा रहे हैं। **blue sapphire** के उपयोग से निःसंतान दंपत्ति को अत्यधिक लाभ हो सकता है।
शनि ग्रह की महादशा और अन्तर्दशा के दौरान अत्यंत प्रबल परिणाम प्राप्त हो सकते हैं। यदि लग्नश बुध के रत्न पन्ना को भी धारण किया जाता है तो यह अधिक शानदार परिणाम ला सकता है ।

तुला लग्न वालों के लिए नीलम

नीलम तुला लग्न के अंतर्गत जन्म लेने वाले जातक के लिए एक अत्यंत लाभकारी रत्न है। चतुर्थ व पंचम भाव के स्वामी के रूप में, शनि ग्रह सबसे अधिक लाभकारी ग्रह है। इसलिए, नीलम पहनना शिक्षा के लिए बेहद फायदेमंद हो सकता है, सन्तान सुख, बुद्धि और मानसिक स्थिति में शुभ परिणाम प्राप्त होते हैं।

तुला राशि के जातकों द्वारा नीलम के प्रयोग से स्थायी सम्पत्ति, अच्छा घर, मित्रता, सुख और भौतिक सफलता मिल सकती है। यह जातक की माँ के स्वास्थ्य को भी विकसित कर सकता है।

यह प्रभावी और शक्तिशाली रत्न शनि की महादशा और अंतर्दशा के दौरान बेहद भाग्यशाली साबित हो सकता है। चूँकि शनि सबसे अधिक कारक ग्रह है, इसलिए इसका उपयोग पूरे जीवन में किया जा सकता है।

यदि लग्नेश शुक्र के रत्न हीर को भी धारण किया जाय तो नीलम अधिक प्रभावी हो सकता है ।

यह रत्न मंगल, राहु, केतु, और सूर्य द्वारा शनि की पीड़ा को बेअसर कर सकता है।

वृश्चिक लग्न क लिए नीलम

यदि आप वृश्चिक लग्न के हैं, तो शनि ग्रह तीसरे और चौथे घर का स्वामी होता है जो वैदिक ज्योतिष के अनुसार अकारक ग्रह है। इसलिए, ब्लू नीलम को एक उपचारात्मक उपाय के रूप में उपयोग करना निषिद्ध है।

यदि आप शनि की महादशा से गुजर रहे हैं और शनि चतुर्थ भाव में स्वराशिस्थ हो तो आप किसी योग्य ज्योतिषी से परामर्श करने के बाद विशेष स्थिति में इस रत्न का उपयोग कर सकते हैं।

इस प्रकार ब्लू नीलम का उपयोग आपको साहसी, बलशाली, आज्ञाकारी बना सकता है और यह भाई-बहनों के साथ एक अच्छा रिश्ता विकसित कर सकता है। नीलम का उपयोग फ्रैण्डशिप, अच्छा घर] वाहन सुख आदि ला सकता है।

धनु लग्न के लिए नीलम

जब जातक का जन्म धनु लग्न में होता है, तो नीलम दृढ़ता से इनकार किया जाता है। शनि ग्रह क्रमशः दूसरे और तीसरे घर का स्वामी होता है जो जातक के लिए लाभकारी नहीं है।

मकर लग्न के जातकों के लिए नीलम

नीलम मकर लग्न में जन्म लेने वाले जातक द्वारा पहना जा सकता है। शनि लग्नेश और द्वितीयश होता है। पहनने वाला स्वास्थ्य, व्यक्तित्व, साहस, बल, ज्ञान, धन और सामान्य

कल्याण में सुधार कर सकता है। यह रत्न सामाजिक प्रतिष्ठा, नाम और प्रसिद्धि में भी सुधार कर सकता है।

नीलम अत्यंत लाभकारी हो सकता है जब इसका प्रयोग शनि ग्रह की महादशा और अन्तर्दशा के दौरान किया जाता है। **शनि द्वितीय भाव में नहीं होना चाहिए क्योंकि यह मारकेश बनता है।**

कुंभ लग्न के जातकों के लिए नीलम

यदि जातक कुंभ लग्न के साथ जन्म लेता है, तो नीलम पहनने की अत्यधिक अनुशंसा की जाती है। शनि ग्रह 12 वें घर का **भी स्वामी होता** है। **लग्नेश होने से** नीलम एक लाभकारी रत्न है ।

मंगल, राहु, केतु और सूर्य से पीड़ित शनि ग्रह के कमजोर होने पर नीलम **धारण करना** अत्यंत **आवश्यक** हो सकता है। पहनने वाला स्वास्थ्य, धन, व्यक्तित्व, आज्ञा और साहस आदि में सुधार कर सकता है।

नीलम तब अत्यंत लाभकारी हो सकता है जब इसका प्रयोग शनि की महादशा और अन्तर्दशा के दौरान किया जाए।

मीन लग्न के जातकों के लिए नीलम

यदि आप मीन लग्न के साथ पैदा हुए हैं, तो आपको नीलम से बचने की सख्त सलाह दी जाती है। शनि ग्रह 11 वें और 12 वें घर का स्वामी है जो वैदिक ज्योतिष के अनुसार एक **अकारक** ग्रह है। इसलिए, इस रत्न का उपयोग करने की अनुशंसा नहीं की जाती है।

यद्यपि , आप उपयोग कर सकते हैं यदि शनि ग्रह **एकादश भाव** में स्थित है।
नीले नीलम का उपयोग धन ला सकता है और यह आय की अस्थिरता को भी स्थिर कर सकता है।

पीताम्बरी नीलम - दो की शक्ति

जैसा कि इसके नाम के अनुसार पीतांबरी नीलम रत्न के दो रंग हैं यानि पीला और नीला। लेकिन दो रंगों का अनुपात भिन्न हो सकता है। यह दो ग्रहों अर्थात् शनि और बृहस्पति का प्रतिनिधित्व करता है। शनि मन, निर्णय शक्ति और मानवीय भावना को नियंत्रित करता है जबकि बृहस्पति वृद्धि और विस्तार को प्रभावित करता है। इस प्रकार पीताम्बरी नीलम को बृहस्पति और शनि के बुरे प्रभावों से बचाने और दोनों ग्रहों के केवल सकारात्मक प्रभाव प्राप्त करने **के लिए धारण करने** की सलाह दी जाती है।

पीताम्बरी नीलम की उत्पत्ति

पीताम्बरी नीलम मुख्य रूप से श्रीलंका, बर्मा, पूर्व-एशिया में विशेष रूप से भारत और पाकिस्तान के पास, इसके अलावा ब्राज़ील और यू.एस.ए.में पाया जाता है।

ज्योतिष पीताम्बरी नीलम के बारे में क्या कहता है?

यह आमतौर पर उन लोगों के लिए अनुशंसित है जिनको जन्म कुंडली में निर्बल स्थिति में बृहस्पति और शनि हैं।

पीताम्बरी नीलम के फायदे

1. पहनने वाले को अच्छे स्वास्थ्य, भाग्य और समृद्धि का खजाना मिलता है। इस रत्न के शुभ प्रभावों से वित्तीय नुकसान को ठीक किया जा सकता है।

2. भावनात्मक स्थिरता देता है और आपको अपनी भावनाओं को आज्ञा देने में सक्षम बनाता है।

3. मानसिक स्पष्टता के साथ निर्णय लेने और निर्णय शक्ति में सुधार करता है।

4. इसमें हीलिंग पॉवर होती है जो नसों और तंत्रिका रोग को ठीक कर सकती है।

5. कम आत्मसम्मान वाले लोगों को इस रत्न से बहुत लाभ मिल सकता है।

6. यह पहनने वाले के जीवन में खुशी लाता है।

7- प्रशासन, संबद्ध सेवाओं, सेना, स्पीकर, शिक्षण और नेतृत्व के क्षेत्र में लोग अपने करियर में सफलता प्राप्त कर सकते हैं।

अनुपचारित और बिना गरम किए हुए रत्नों का अधिकतम प्रभाव होता है। पीताम्बरी नीलम के साथ भी ऐसा ही है जिसमें पत्थर की शुद्धता को आंकने के लिए पारदर्शिता की मात्रा को प्राथमिकता दी जाती है। पीताम्बरी नीलम और नीले नीलम के समान गुणों और उच्च समानता के कारण दोनों एक दूसरे के लिए एक विकल्प के रूप में काम कर सकते हैं।

खूनी नीलम *******

खूनी शब्द का प्रयोग एक हत्यारे के लिए भी किया जाता है। यह नीलम की इस विविधता को एक रहस्यमय और भयानक आभा प्रदान करता है। आमतौर पर नीलम पहनना पसंद करने वाले लोग खूनी नीलम पहनने से काफी हिचकिचाते हैं।

एक खूनी नीलम वास्तव में या तो बैंगनी नीलम या नीले रंग का नीलम होता है जिसमें लाल या गुलाबी रंग के धब्बे होते हैं या उसमें धारियाँ होती हैं। इससे इसे शनि की शक्तियों के साथ-साथ मंगल की शक्तियाँ भी प्राप्त हैं। ये दोनों सभी दुर्घटनाओं, युद्धों और अप्राकृतिक मौतों के लिए जिम्मेदार हैं। इसलिए, केवल एक व्यक्ति जिसकी कुण्डली में मंगल और शनि अच्छी स्थिति में है, सुरक्षित रूप से एक खूनी नीलम पहन सकता है।

शब्द रक्ताम्बर यह दो शब्दों का एक सम्मिश्रण है: रक्त अर्थात् खून और अम्बर (जिसका अर्थ है आकाश)। इसलिए रत्न के संदर्भ में रक्ताम्बर रक्त लाल शेड वाले रत्न को कहते हैं। लेकिन किंवदंती कहती है कि यदि यह रत्न आपको सूट करता है तो यह आपके लिए कई गुना भाग्य बढ़ा देगा।

खूनी नीलम वास्तव में लाल धब्बों अर्थात् खून के रंग जैसे धब्बों वाला नीला रत्न है। हालांकि धब्बे आयरन ऑक्साइड के कारण होते हैं। तकनीकी रूप से यह एक दोष है, लेकिन जेम विक्रेताओं ने इसे आसानी से एक "दुर्लभ" रत्न बना दिया है और एक दोष को एक उच्च वांछनीय सुविधा में बदल दिया है-

खूनी नीलम (जिसे रक्ताम्बरी नीलम भी कहा जाता है) को ब्लू नीलम (नीलम रत्न) का सबसे मजबूत और प्रभावी रूप माना जाता है। इसमें लाल रंग या चमक के साथ एक विशेषता नीला या बैंगनी रंग है। कुछ दुर्लभ टुकड़ों में लाल या गुलाबी रंग के धब्बे या धारियाँ हो सकती हैं । इस अनोखे रत्न के बारे में कहा जाता है कि इसमें दो मजबूत ग्रहों शनि और मंगल की चमत्कारी ऊर्जाएं हैं जो जातक को तत्काल नाम, प्रसिद्धि और धन का आशीर्वाद देती हैं। किसी विद्वान ज्योतिषी से सलाह लेने के बाद इस रत्न को पहनने की सलाह दी जाती है।

मरा विचार यह है कि खूनी नीलम पूर्ण रूप से फल प्रदान नहीं करता है। यह एक दूषित रत्न है। अतः इसका प्रयोग नहीं करना चाहिए। यह पूर्ण रूप से न तो मंगल का फल प्रदान कर सकता है और न ही शनि का। इसका दुष्परिणाम हो सकता है। किसी भी रत्न या नीलम में यदि दाग–धब्बे लगे हों तो धारण करना वर्जित होता है। मंगल और शनि के रत्न एक साथ सूट करने भी मुश्किल होते हैं।

नीले नीलम (Blue Sapphire) को धारण कैसे करें

- **वजन - 5** करट
- **शुभ दिन** - शनिवार
- **शुभ अंगुली** - मध्यमा अंगुली
- **शुभ धातु** - पंचधातु या चांदी
- मंत्र - ॐ प्रां प्रीं प्रौं स: शनैश्चराय नम: || (108 **बार)**

नीले नीलम (Blue Sapphire) को **पंचधातु या** चांदी के साथ धारण करें। इसे शनिवार को गंगाजल व गाय के दूध में **धोयें।** रत्न पहनने से पहले 108 बार शनि मंत्र का जाप करें। इस रत्न को पहनने का समय **प्रातः 7** बजे **शनि की होरा में** है।